हरीश आंजना स्नातकोत्तर महाविद्यालय

छोटी सादड़ी, प्रतापगढ़ (राज.)

(ए युनिट ऑफ हरीश आंजना एज्युकेशन सोसायटी)
(राजस्थान सरकार से स्थाई मान्यता प्राप्त एवं गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय से सम्बंध)

विवरणिका

PROSPECTUS

हरीश आंजना स्नातकोत्तर महाविद्यालय
सर्वोदय
छोटी सादड़ी
तमसो मां ज्योतिर्गमय

Phone no. 01473-262755, Fax - 01473-262255
Mob. no. 9460712329
harishcollege@yahoo.in
www.harishanjanacollege.com

हमारे प्रेरणा स्त्रोत

स्व. श्री हरीश जी आंजना

हरीश आंजना स्नातकोत्तर महाविद्यालय

छोटी सादड़ी, प्रतापगढ़ (राज.)

विवरणिका

विवरणिका **(PROSPECTUS)** महाविद्यालय में प्रवेश लेने वाले अभ्यार्थियों की जानकारी की दृष्टि से प्रकाशित की जाती है। विद्यार्थी प्रवेश हेतु आवेदन करने से पूर्व इसे सामान्य पूर्ण रूप से पढ़ें एवं समझ ले।

इस विवरणिका में उल्लेखित नियम एवं सूचना केवल विद्यार्थियों की जानकारी के लिए है अत: आवश्यक सूचना एवं जानकारी के लिए समय-समय पर महाविद्यालय का सूचना पट्ट देखते रहें। किसी भी नियम/ उपनियम निदेशक कॉलेज शिक्षा राजस्थान जयपुर और गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा के निर्देशानुसार प्राचार्य द्वारा संशोधन, परिवर्तन या विलोपन किया जा सकेगा, जो सर्वमान्य होगा।

प्रकाशक

डॉ. दीपक मण्डेला
(प्राचार्य)

सम्पादक मण्डल

डॉ. कृष्णा पैन्सिया	(व्याख्याता हिन्दी)
सुश्री नसरीन आरा	(व्याख्याता इतिहास)
श्री राहुल जोशी	(व्याख्याता वाणिज्य)
श्री अजय कुमार यादव	(कार्यालय अधीक्षक)

प्रधान सम्पादक

जगन्नाथ सोलंकी
डायरेक्टर ऑफ ऐकेडमिक

हरीश आंजना स्नातकोत्तर महाविद्यालय छोटी सादड़ी, प्रतापगढ़ [राज.]

प्रबन्ध समिति

श्री उदयलाल आंजना
निदेशक
केबिनेट मंत्री
(सहकारिता एवं इंदिरा गांधी नहर परियोजना)
राजस्थान सरकार, जयपुर

श्री मनोहरलाल आंजना
डायरेक्टर ऑफ मैनेजमेन्ट

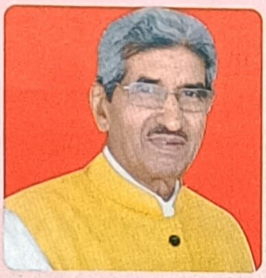

जगन्नाथ सोलंकी
डायरेक्टर ऑफ ऐकेडमिक

डॉ.दीपक मण्डेला
प्राचार्य

महाविद्यालय परिवार

डॉ.कृष्णा पैन्सिया
व्याख्याता, हिन्दी साहित्य

श्री भगवान लाल कामड़
व्याख्याता, राजनीति विज्ञान

श्री रोहित सारस्वत
व्याख्याता, भूगोल

सुश्री नसरीन आरा
व्याख्याता, इतिहास

श्री इमरान मोहम्मद
व्याख्याता, वाणिज्य

श्री राहुल जोशी
व्याख्याता, वाणिज्य

श्री मोहम्मद हुसेन
व्याख्याता,अंग्रेजी

श्री मनीष बैरागी
व्याख्याता (बी.सी.ए.)

श्री गोविन्द रजक
व्याख्याता (बी.सी.ए.)

श्री कमलेश देवड़ा
व्याख्याता (बी.सी.ए.)

श्रीमती भारती राठौर
ग्रन्थालय सहायक

श्री अजय यादव
कार्यालय अधीक्षक

श्री चौथमल मीणा
सहायक कर्मचारी

श्री नितेश मीणा
सहायक कर्मचारी

श्री सुरेशकुमार मीणा
सहायक कर्मचारी

निदेशक की कलम से ....

उदयलाल आंजना
निदेशक

प्रिय विद्यार्थियों,

उच्च शिक्षा के इस पावन प्रांगण में, मैं आप सभी विद्यार्थियों का स्वागत करता हूँ। हमारे ऋषि मुनियों ने कहा है कि अच्छे संस्कार चतुर्विद हमारे भीतर प्रवेश करें। भगवान बुद्ध ने इसी बात को और पुष्ट करते हुए कहा है कि अप दीपोभव: हम स्वयं अपना प्रकाशदीप बनें। गायत्री महामंत्र का भी सूत्र रूप यही है कि वह प्रकाशवान ईश्वर हमारे भीतर प्रवेश करें।

आरम्भ से ही छोटीसादड़ी एवं आसपास के क्षेत्र में किसी ऐसी संस्था का अभाव महसूस होता रहा, जिससे शैक्षणिक विकास के साथ भारतीय संस्कृति का ज्ञान व चरित्र निर्माण होता दिखे। उच्च शिक्षा जिसमें जीवन के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए ही ऐसे सूर्य के उदित होने की भावना से ही इस महाविद्यालय की नींव रखी गई है।

प्रतिस्पर्द्धा के इस युग में स्वयं को स्थापित करने के लिए अत्यधिक सजगता, गहन अध्ययन, कठोर परिश्रम और आत्मानुशासन की आवश्यकता होती है। आपका मर्यादित आचरण आपको सफलता के सौपानों पर अग्रसर करता है।

आपके जीवन का सर्वांगीण विकास ही महाविद्यालय का मुख्य ध्येय है। आप महाविद्यालय की शैक्षिक धारा से जुड़कर स्वविवेक लगन, अथक परिश्रम से अपने जीवन को संवारते हुए प्रगति के पथ पर अग्रसर हों, यही मेरी अभिलाषा है।

मुझे यह जानकर हर्ष और गौरव दोनों की अनुभूति हो रही है कि हरीश आंजना स्नातकोत्तर महाविद्यालय ने प्रतिवर्ष विवरणिका प्रकाशन का लक्ष्य निर्धारित किया है। अत: मैं आप सबके इस सराहनीय प्रयास का स्वागत करता हूँ। मैं आप सब के प्रति अपने लक्ष्य में उत्तरोत्तर सफल होने की मंगल कामनाएं करता हूं। इस विवरणिका में सहयोग करने वाले संपादक मण्डल एवं प्राचार्य को साधुवाद ज्ञापित करता हूं।

अन्त में आप सभी से महाविद्यालय की गरिमा और इसके उच्च अकादमिक स्तर को बनाए रखने की पूर्ण अपेक्षा के साथ आप सभी के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

उदयलाल आंजना
केबिनेट मंत्री
(सहकारिता एवं इंदिरा गांधी नहर परियोजना)
राजस्थान सरकार, जयपुर

वर्तमान मे जिएँ........

मनोहरलाल आंजना
डायरेक्टर ऑफ मैनेजमेन्ट
हरीश आंजना स्नातकोत्तर महाविद्यालय
छोटीसादड़ी (राज.)

अतीत इतिहास है, भविष्य रहस्य है और वर्तमान उपहार है

महाविद्यालय प्रबन्धन आरम्भ से ही इस बात के लिए प्रयत्नशील रहा है कि विद्यार्थी महाविद्यालय में अपनापन महसूस करें, जैसा वे अपने घर के सदस्यों के साथ महसूस करते हैं। यहां विद्याार्थियों की प्रत्येक समस्या पर समुचित ध्यान देकर हल करने का हर सम्भव प्रयास किया जाता है। समय-समय पर फीड बेक आन्तरिक परिक्षाओं के माध्यम से महाविद्यालय के सम्बन्ध में विद्यार्थियों की राय तथा समस्याओं को जानने का प्रयास किया जाता है।

इस शिक्षित भौतिक विकास एवं सांस्कृतिक सत्र में सहशैक्षिक कार्यक्रमों में विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़ाने का प्रयास भी किया गया है। इसके द्वारा न केवल विद्यार्थी-अध्यापक सम्बन्ध सुदृढ़ होते है बल्कि विद्याार्थियों के शारीरिक, मानसिक व सर्वागीण विकास होता है। यह भावी जीवन के बड़े कार्यक्रमों के आयोजन की पूर्व तैयारी है। अत: महाविद्यालय प्रशासन समय-समय पर उन्हें प्रोत्साहन देता रहता है।

ऐसे ही अनेक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों के महाविद्यालय से आत्मीय सम्बन्ध जोड़ने का प्रयास किया जाता है। नि: संदेह इन गतिविधियों में महाविद्यालय सदैव विद्यार्थी हित में साथ रहा है और आगे भी रहेगा।

विद्यार्थियों। आप अर्जुन बनकर ज्ञान लेने को तैयार रहें, शिक्षक कृष्ण बनकर ज्ञान का सागर आप पर उड़ेल देगें। एकलव्य-सी निष्ठा और विश्वास रखों और गुरु पर, फिर देखो द्रोण रूपी गुरु दूर रहकर भी सफलता की राह सहज बना देंगे।

मनोहरलाल आंजना
डायरेक्टर ऑफ मैनेजमेन्ट

सर्वोदय
तमसो मा ज्योतिर्गमय

महाविद्यालय परिचय ....

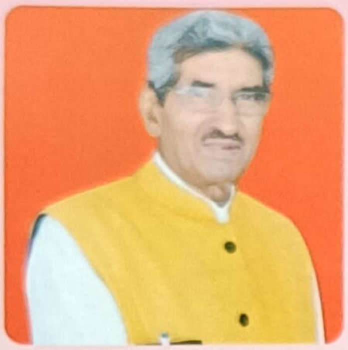

जगन्नाथ सोलंकी
डायरेक्टर ऑफ ऐकेडमिक

हरीश आंजना स्नातकोत्तर महाविद्यालय
छोटीसादड़ी (राज.)

राजस्थान के दक्षिणांचल में अवस्थित कांठल प्रतापगढ़ जिले के महत्वपूर्ण क्षेत्र स्वर्ण नगरी छोटीसादड़ी में उच्च शिक्षा की सुविधा प्रदान करने की दृष्टि से आदरणीय उदयलालजी आंजना की प्रेरणा से उनके पुत्र की स्मृति में हरीश आंजना एज्युकेशन सोसायटी द्वारा हरीश आंजना महाविद्यालय की स्थापना की गई।

हरीश आंजना स्नातकोत्तर महाविद्यालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान, जयपुर द्वारा संचालित गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय से सम्बद्ध है। वर्तमान में कला, वाणिज्य, बी.सी.ए. एवं स्नातकोत्तर विषय इतिहास एवं हिन्दी साहित्य की कक्षाएँ संचालित है इन सभी पाठ्यक्रमों मे 500 छात्र–छात्राएँ अध्ययनरत है।

महाविद्यालय की महत्वपूर्ण उपलब्धी शैक्षणिक एवं सहशैक्षणिक गतिविधियों का संचालन है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ–साथ अनुशासन एवं श्रेष्ठ आचरण महाविद्यालय की पहचान है। महाविद्यालय में सुज्जित कम्प्यूटर लेब, पुस्तकालय, बुक बैंक एंव वाचनालय जिसमें पर्याप्त ग्रंथ एवं पत्र पत्रिकाएँ उपलब्ध है। महाविद्यालय परिसर वाई–फाई, उउद्धत केमरा, अग्नि सुरक्षा एवं शुद्ध पेयजल सुविधाओं से युक्त है। महाविद्यालय विश्वविद्यालय का परीक्षा केंद्र है जहां क्षेत्र के राजकीय महाविद्यालय एवं स्वयंपाठी परीक्षार्थियों को अन्य परीक्षा देने बाहर नही जाना पड़ता है।

साथ ही छात्र–छात्राओं की पढ़ाई पर विशेष ध्यान दिया जाता है तथा प्रत्येक इकाई का आन्तरिक मूल्यांकन प्रत्येक माह एवं प्रारम्भिक विश्वविद्यालय परीक्षा दिसम्बर माह में महाविद्यालय सम्पन्न करवाता है। अत: पिछले सात वर्षो का परीक्षा परिणाम गुणात्मक एवं संख्यात्मक दृष्टि से उच्च स्तर का रहा है।

अत: महाविद्यालय परिवार समय–समय पर विद्यार्थियों के अभिभावकों से सम्पर्क कर विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान किया जाता है। महाविद्यालय का मुख्य ध्येय विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का सर्वांगिण विकास करना है इसके लिये महाविद्यालय निरंतर प्रयासरत है।

जगन्नाथ सोलंकी
डायरेक्टर ऑफ ऐकेडमिक

प्राचार्य की कलम से.......

शुभम् करोति कल्याणम्

डॉ. दीपक मण्डेला
प्राचार्य
हरीश आंजना स्नातकोत्तर महाविद्यालय
छोटीसादड़ी [राज.]

प्रिय विद्यार्थियों,

उच्च शिक्षा के इस पावन प्रांगण में नवीन शैक्षणिक सत्र के शुभारम्भ पर मैं आप सभी प्रवेशार्थियों का हार्दिक स्वागत करता हूँ। महाविद्यालय 2012 से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रतापगढ़ जिले की स्वर्णनगरी छोटीसादड़ी में सेवा कर रहा है।

शिक्षा का उद्देश्य मात्र नौकरी पा लेना या किसी व्यवसाय के योग्य हो जाना ही नहीं है अपितु देश का एक चरित्रवान, जिम्मेदार और प्रबुद्ध नागरिक सम्पूर्ण मानवता की सेवा में स्वयं को नियोजित करना इसका वास्तविक लक्ष्य है, इस गरिमामयी शिक्षण संस्था में कदम रखते हुए आप से ऐसी ही उम्मीद है।

महाविद्यालय के समस्त सहयोगियों, संचालक मण्डल और आदरणीय उदयलालजी आंजना का आभारी हूँ जिन्होंने हमे यह विवरणिका प्रकाशित करने के लिए हमारा अनुमोदन तो किया साथ ही महाविद्याालय का उत्साहवर्द्धन भी किया है। मैं आशा करता हूँ कि यह परम्परा निरन्तर रहेगी तथा इस महाविद्यालय और इस क्षेत्र का गौरव बढ़ायेगी।

अत: आप उन सौभाग्यशाली विद्यार्थियों में से है जिन्हें इस महाविद्यालय मैं उच्च शिक्षा हेतु प्रवेश प्राप्त हुआ है। महाविद्यालय उत्तरोत्तर सफलता के नये आयाम स्थापित करें, ऐसी ही आशा करता हूँ। महाविद्याालय के विकास हेतु सभी के सहयोग की अपेक्षा के साथ ......।

Deepak

डॉ. दीपक मण्डेला
प्राचार्य

पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर (M.A.)	विषय	(1)हिन्दी साहित्य (2)इतिहास
स्नातक कला वर्ग (B.A.)	अनिवार्य विषय	(1) सामान्य हिन्दी, पर्यावरण अध्ययन (2) सामान्य अंग्रेजी, प्रारम्भिक कम्प्यूटर
	ऐच्छिक विषय	(1) हिन्दी साहित्य (2) इतिहास (3) राजनीति विज्ञान (4) भूगोल
स्नातक वाणिज्य वर्ग (B.Com.)	अनिवार्य विषय	(1) सामान्य हिन्दी, पर्यावरण अध्ययन (2) सामान्य अंग्रेजी, प्रारम्भिक कम्प्यूटर
	ऐच्छिक विषय	(1) लेखा एवं सांख्यिकी (2) व्यावसायिक प्रशासन (3) आर्थिक एवं वित्तिय प्रबन्धन

स्नातक बी.सी.ए.(बेचलर इन कम्प्यूटर ऐप्लिकेशन)
अवधि : 3 वर्ष

101- Introduction of I.T.
102- P.C. Softwere
103- C Programming
104- Basic Physics
Compulsary paper for all stream
1. Environmental Studies
2. General English

शैक्षणिक संस्थाओं का उपतंत्र

स्तकालय एवं बुक बैंक :-

ग्रेजी का लाईब्रेरी शब्द जिसका हिन्दी रूपान्तर ग्रन्थालय (स्तकालय) होता है। लैटीन Libraria की भाषा के शब्द से ना है। जिसका शाब्दिक अर्थ House Of Books या ग्रन्थों का घर। अर्थात् वह स्थान जहाँ ग्रन्थ रखे जाते है। ग्रन्थ रखने के लिए बहुत से स्थान हो सकते है जैसे प्रकाशक के यहाँ अथवा बाजार की दुकानें। लेकिन इन्हें ग्रन्थालय नहीं कहा जा सकता है। ग्रन्थालय वह स्थान है जहां ग्रन्थ विक्रय हेतु नहीं अपितु अध्ययनार्थ रखे जाते है। शिक्षा एवं ग्रन्थालय दो जुडवाँ बहिनें है एक को दूसरे से अलग नही किया जा सकता। कोई भी शिक्षण संस्था ग्रन्थालय के बिना अधूरी है। अत: ग्रन्थालय को किसी भीशैक्षणिक संस्था का हृदय अथवा मेरूदण्ड कहा जाना सर्वथा सत्य है। महाविद्यालय में विभिन्न विषयों की पुस्तके एवं ग्रन्थों से युक्त पुस्तकालय है जिसका अपना पृथक भवन है। इस समय पुस्तकालय में लगभग 4500 से अधिक पुस्तकें है पुस्तकालय कक्ष में वाचनालय की व्यवस्था भी है जिसमें अन्तराष्ट्रीय, राष्ट्रीय तथा प्रादेशिक पत्र-पत्रकाऐं आती है।

सह-शैक्षणिक गतिविधियाँ :-

विद्यार्थियों को अपने व्यक्तित्व का विकास करने का अवसर मिले व समाज सुधार तथा राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे सके। इस उद्देश्य के लिए महाविघालय में निम्नलिखित सह-शैक्षणिक एवं शिक्षणेत्तर गतिविधियाँ एवं सुविधाएं है। जिनमें विद्यार्थी अपनी अभिरूचि के अनुसार भाग ले सकते है।

1. सेवा योजना (N.S.S.):-

राष्ट्रीय सेवा योजना का शुभारम्भ स्वैच्छिक आधार पर युवाओं को समाज सेवा से जोड़ना, उनमें राष्ट्रीयता की भावना पैदा करना, धर्म निरपेक्षता सद्भावना को बढ़ाना एवं विद्यार्थियों के व्यक्तिव के सर्वागीण विकास में सहयोग के उद्देश्य से किया गया, N.S.S. ने शैक्षणिक संस्थाओं को समाज से जोड़ने का कार्य किया है। अत: महाविद्यालय में अध्ययन करने वाले विद्यार्थीयों में सामाजिक उत्तरदायित्व तथा श्रम के प्रति आदर की भावना जाग्रत करना।

इस संगठन का मुख्य उद्देश्य है, कार्यक्रम को नवीनता प्रदान करने की दृष्टि से एकता,एड्स के प्रति जागरूकता, बस्ती गोद लेने की अनिवार्यता, साक्षरता, पर्यावरण संरक्षण, महिला विकास एवं उत्थान, बंजर भूमि विकास इत्यादि कार्यक्रमों को एकीकृत कर (NSS) से जोड़ा गया है। स्थानीय स्तर पर वृक्षारोपण, गाजर घास उन्मूलन, रक्तदान, नैत्र एवं शल्य चिकित्सा शिविर, सामूहिक विवाह आयोजन में सहयोग को सेवा योजना ने अपनाया है। विद्यार्थियों को नियमित गतिविधियों में दो वर्ष में 240 घण्टे अपनी रूचि के क्षेत्र में कार्य करना पड़ता है। इसके अन्तर्गत वाद-विवाद, आशुभाषण, क्वीज, पोस्टर एवं केम्पफायर इत्यादि कार्यक्रम आयोजित किये जाते है। प्रत्येक स्वयंसेवक को एक विशेष शिविर में अनिवार्यत: भाग लेना पड़ता है।

2.महिला प्रकोष्ठ :-

छात्राओं में चेतना एंव जागृति लाने तथा उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के उद्देश्य से महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है। प्रकोष्ठ के तत्वाधान में महिलाओं की समस्याओं पर विचार विमर्श, लेखन एंव परिचर्चाओं का आयोजन किया जाता है। छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु वाद-विवाद, कविता, गीत, संगीत, मेहन्दी, पुष्प सज्जा, सलाद, रंगोली मांडना इत्यादि प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। छात्राओं के विकास में सामाजिक भागीदारी की प्रवृत्ति को विकसित करने का प्रयास किया जाता है

3. स्काउट :- छात्र-छात्राओं के शारीरिक, मानसिक एवं व्यक्तित्व निर्माण के उद्देश्य से महाविद्यालय में स्काउट का संचालन किया जा रहा है। जिससे विद्यार्थियों में अनुशासन एवं समाज सेवा की भावना विकसित की जा सके।

4. साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परिषद :-

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु महाविद्यालय में समय समय पर विभिन्न गतिविधियाँ जैसे – वाद–विवाद, कविता, निबन्ध, सामान्य ज्ञान, रंगोली, मेहन्दी, एकल गान, समूह गान, एकल नृत्य, समूह नृत्य, विचित्र वेश–भूषा, शेरो–शायरी, नाटक, चुटकुले इत्यादि प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है।

5. योजना मंच :-

इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रीय आर्थिक विकास के बारे में चेतना–जाग्रत करना एवं जन सहयोग की भावना में वृद्धि करना है। विद्यार्थीयों की वरीयता के आधार पर पदाधिकारियों का मनोनयन किया जाता है। शैक्षणिक सत्र के दौरान प्रभारी अधिकारी के मार्ग निर्देशन में मंच की गतिविधियों को सम्पन्न कराते है।

6. खेलकूद परिषद :-

विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास हेतु महाविद्यालय में समय–समय पर फील्ड एवं ट्रेक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती है तथा महाविद्याालय स्तर पर चयनित टिम को विश्वविद्यालय स्तरीय प्रतियोगिता में भेजा जाता है। महाविद्यालय में निम्नांकित खेलकूद प्रतियोगिताएं – जैसे कबड्डी, फुटबाल, हैण्डबाल, वॉलीवाल, खो–खो, दौड़, क्रिकेट, कुश्ती आदि के आयोजन हेतु सम्पूर्ण खेल सामग्री एवं मैदान की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

छात्रवृत्तियां

प्रतिभाशाली छात्रों को प्रोत्साहित करने एवं सीमित साधन वाले योग्य छात्रों के लिए केन्द्र व राज्य सरकार तथा इस महाविद्यालय द्वारा विविध छात्रवृत्तियाँ, शुल्क मुक्ति तथा अन्य सुविधाएं प्रदान की जाती है। इन सुविधाओं को प्राप्त करने के इच्छुक छात्रों को महाविद्यालय नियमानुसार निर्धारित तिथि से पूर्व आवेदन करना होता है।

1. समाज कल्याण विभाग द्वारा देय छात्रवृत्ति :-

1. मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति – एस.टी., एस.सी, ओ.बी.सी, एवं एस.बी.सी. एंव विकलांग।
2. मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा योजना छात्रवृत्ति (कॉलेज शिक्षा निर्देशालय द्वारा)
3. अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति।
4. TSP उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति।

2. पात्रता :-

1. राजस्थान का मूल निवासी हो S.T., S.C., O.B.C. & S.B.C.
2. बैंक खाता
3. आधार कार्ड
4. आय प्रमाण–पत्र
5. जाति प्रमाण–पत्र
6. 10 th, 12 th की अंक तालिका
7. शपथ पत्र
8. मूल निवास
9. बी.पी.एल. प्रमाण पत्र
10. भामाशाह कार्ड

महाविद्यालय गौरव

ललिता धाकड़
कला वर्ग
सर्वश्रेष्ठ

अल्फीया बोहरा
वाणिज्य वर्ग
सर्वश्रेष्ठ

अल्फीया बोहरा
(बी.सी.ए.)
सर्वश्रेष्ठ

TOP 10 (2017 - 18)

क्र. संख्या	संकाय वर्ग	छात्र / छात्रा	पिता का नाम	प्रतिशत
1	कला वर्ग प्रथम वर्ष	अन्नु कुमारी धाकड़	जमनालाल धाकड़	89.85
2	कला वर्ग प्रथम वर्ष	सीमा कुमारी धाकड़	रतनलाल धाकड़	86.57
3	कला वर्ग प्रथम वर्ष	तारा कुमारी धाकड़	हुकमी चंद्र धाकड़	85.57
4	बी.सी.ए. प्रथम वर्ष	अल्फीया बोहरा	मुस्तफा	78
5	बी.सी.ए. प्रथम वर्ष	शीला बलाई	पप्पु लाल	77.4
6	बी.सी.ए. प्रथम वर्ष	संजना आर्य	देवपाल	77.6
7	कला वर्ग तृतीय वर्ष	ललिता धाकड़	छगनलाल जी	72.52
8	कला वर्ग द्वितीय वर्ष	अंकित सेन	देवीलाल सेन	71
9	कला वर्ग द्वितीय वर्ष	हीरा लाल मीणा	बाबुलाल मीणा	70.16
10	कला वर्ग तृतीय वर्ष	पुजा सोनी	घनश्याम जी	69.73

सर्वश्रेष्ठ छात्राः ललिता धाकड़

रक्तदान
सचिन गायरी
अमित यादव
मनीषा उपाध्याय
नितेश मेनारिया
हसीना बी
राजेन्द्र सिंह राजपूत
हीरा लाल मीणा
लक्ष्मणसिंह राजपूत
अमजद शाह
अनिल आचार्य
विजय गंधर्व
हरीश कुमावत
सोहनलाल
गोपाल साहू
अनिल जणवा
हरिराम
ईश्वरलाल

निबन्ध प्रतियोगिता
तारा धाकड़
मोनिका शर्मा
निर्मला धाकड़
हिना धाकड़
उषा माली

पोस्टर/ चित्रकला प्रतियोगिता
मनिषा उपाध्याय
नारायण मेघवाल
रितेष माली

समूह नृत्य
मोनिका शर्मा
सुमन यादव
रेखा वैष्णव
संयुक्ता सोनी
मेघा सोनी

एकल नृत्य
प्रिया गुजराती
सतीष साहू
विनोद वैष्णव
निशा पंवार
रेणु टेलर
रेखा वैष्णव

कविता पाठ / भाषण
ललिता धाकड़
प्रहलाद सिंह
अमित कुमार यादव
सम्कीत वया
हीरालाल मीणा
पूजा देवड़ा
शीला बलाई
प्रमिला सुथार
आशा पाटीदार
विजय गन्धर्व

प्रतिभावान खिलाड़ी

कुश्ति में स्वर्ण पदक
(विश्वविद्यालय स्तर)
1. अजय शर्मा

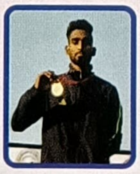
दौड़ में स्वर्ण पदक
(विश्वविद्यालय स्तर)
2. दिलीप कुमावत

हेण्ड बॉल में चयन
(राज्य स्तर पर)
3. दिनेश कुमावत

विशेष प्रस्तुति
पूजा देवड़ा
मनीष शर्मा
मंगला शर्मा
नवीन कुमावत

एकल गीत
शीला बलाई
प्रमिला सुथार
ललिता धाकड़

राखी बनाओ
प्रिया गुजराती
पूजा पाटीदार
अंजली सुथार
दीपक प्रजापत
जेनुबिया बोहरा
दीपक माली

बेटी बचाओ प्रतियोगिता
ललिता धाकड़
अमित यादव
प्रहलाद सिंह

स्वतंत्रता दिवस समारोह 2018 के
मुख्य अतिथि
मा. उदयलालजी आंजना
निदेशक,
हरीश आंजना स्नातकोत्तर
महाविद्यालय द्वारा ध्वजारोहण
करते हुए

मुख्य अतिथि
मा. उदयलालजी आंजना

द्वारा परेड का निरीक्षण
एवं
सलामी लेते हुए।

गणतंत्र दिवस समारोह
2018 के मुख्य अतिथि
मा. मनोहरलालजी आंजना
प्रबन्ध निर्देशक, हरीश आंजना स्नातकोत्तर
महाविद्यालय

गणतंत्र दिवस समारोह
2019 के मुख्य अतिथि
मा. पुरण जी आंजना
निदेशक : चेतक इन्टरप्राईजेज प्रा. लिमिटेड

समाचार पत्रों में महाविद्यालय की झलकियाँ

आठ साल में किया गया चार हजार यूनिट रक्तदान

स्वर्गीय हरीश आंजना की स्मृति में होने वाले रक्तदान शिविर ने मानव कल्याण के क्षेत्र में रचा इतिहास

युवा जागृति उत्सव मनाया

संस्कार ही जीवन का आधार है : पांडेय

छोटीसादड़ी। हरीश आंजना महाविद्यालय में युवा क्रान्ति सप्ताह के अन्तर्गत अखिल विश्व गायत्री परिवार के अधिष्ठाता पं.श्रीराम शर्मा आचार्य व मां भगवती देवी विश्व शान्ति कुंज हरिद्वार गायत्री परिवार द्वारा स्थापित युवा क्रान्ति रथयात्रा को आमन्त्रित करते हुए युवा क्रान्ति वर्ष मनाया।

महाविद्यालय परिवार द्वारा गायत्री मंत्रोच्चारण के साथ रथयात्रा में आये परमेश्वर दीन पांडेय, सन्तोष कुमार श्रीवास्तव, द्रामकर्ष, राजकुमार, श्यामलाल शर्मा, माधवलाल आदि का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। मुख्य वक्ता पांडेय ने कहा कि संस्कार ही

छोटीसादड़ी। युवा क्रान्ति सप्ताह कार्यक्रम में मौजूद अतिथि।

प्रतियोगी परीक्षा में कड़ी मेहनत से ही मिलती है सफलता : मंडोवरा

टीसादड़ी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर सूत की माला पहनाकर मन करते प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष उदयलाल आंजना।

हरीश आंजना महाविद्यालय में शैक्षिक वार्ता

छोटीसादड़ी। हरीश आंजना महाविद्यालय में शुक्रवार शैक्षिक वार्ता के मुख्य अतिथि योगेशचन्द्र जॉनी सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकरी, अध्यक्षता एकेडमिक डाईरेक्टर जगन्नाथ सोलंकी व खरदेवला प्रधानाचार्य अनिल पोरवाल एवं छगनचन्द्र शर्मा सेवानिवृत्त व्याख्याता के विशिष्ट आतिथ्य में हुई। प्राचार्य डॉ.दीपक मण्डेला ने बताया कि मुख्य अतिथि ने छात्र-छात्राओं को जीवन में विषम परिस्तिथियों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने एवं विद्यार्थियों को अनुशासन मे रहते हुए लक्ष्य की प्राप्ति का मंत्र दिया। एकेडमिक डायरेक्टर सोलंकी ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि सफलता के लिए विद्यार्थियों को परिश्रम करना चाहिए।

छोटीसादड़ी। हरीश आंजना महाविद्यालय में राज्य स्तर पर सम्मानित होने वाले सोलंकी का स्वागत करते छात्र-छात्राएं।

सोलंकी होंगे सम्मानित

छोटीसादड़ी। स्थानीय हरीश आंजना महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. दीपक मण्डेला ने बताया कि राजस्थान सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग जयपुर द्वारा 1 अक्टूम्बर को इन्द्रिरा गांधी सभागार जयपुर में आयोजित होने वाले राजकीय सम्मान समारोह में जगन्नाथ सोलंकी सचिव हरीश आंजना एज्युकेशन सोसायटी, हरीश आंजना फाउण्डेशन सेवा संस्थान एवं महाविद्यालय के एकेडमिक निदेशक का राज्य स्तरीय सम्मान समारोह के चयन हुआ है। सोलंकी कई सामाजिक, सरोकार की संस्थाओं से जुड़े हुए - अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता, भारत विकास परिषद के प्रान्तीय प्रकल्प प्रभारी, राजस्थान वरिष्ठ नागरिक मंच संस्थान, सांस्कृतिक परिषद सदस्य ,गायत्री परिवार के उप संयोजक जनचेतना एवं भ्रष्टाचार निरोधक सोसायटी सचिव है। 2014 में राजस्थान सरकार द्वारा भामाशाह प्रेरक के रूप में राज्य स्तरीय सम्मान प्राप्त हुआ। आपके द्वारा शिक्षा चिकित्सा केम्प, रक्तदान शिविर, सामुहिक विवाह, विकलांग शिविर आदि में योगदान एवं समाज सेवा के उत्कृष्ठ कार्यों के आधार पर चयन हुआ है।

युवा देश के विकास में सहयोग दें : आंजना

हरीश आंजना महाविद्यालय में युवा उमंग महोत्सव का उद्घाटन

याद करो कुर्बानी, पखवाड़े के तहत हुई कई प्रतियोगिताएं

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क

कार्यक्रम... हरीश आंजना महाविद्यालय में याद करो कुर्बानी कार्यक्रम के उद्घाटन पर मौजूद अतिथि।

विद्यार्थी भारतीय संस्कृति को बचाएं

युवा उमंग महोत्सव

छोटीसादड़ी में हरीश आंजना की स्मृति में 605 यूनिट स्वैच्छिक रक्तदान

आयुर्वेद व बैंकिग विषय पर संगोष्ठी आयोजित

हरीश आंजना महाविद्यालय के छात्र छात्राएं हुए लाभांवित

छोटीसादड़ी। स्थानीय हरीश आंजना महाविद्यालय में शुक्रवार को जीवन का आधार आयुर्वेद एवं बैंकिग विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य दीपक मण्डेला ने बताया कि कार्यक्रम ... मुख्य अतिथि डॉ. मुकेश ... अतिथि डॉ. खेम... बैंक ...

दिनचर्या व आहार के द्वा... रह सकते हैं। डॉ. रा... कि अपने ... दालें, ...

सर्वोदय

तमसो मां ज्योतिर्गमय

महाविद्यालय के विविध सांस्कृतिक एवं अन्य आयोजनों के सुनहरे पल

हरीश आंजना स्नातकोत्तर महाविद्यालय

छोटीसादड़ी, जिला– प्रतापगढ़ (राज.)

M.A.
हिन्दी साहित्य, इतिहास, भूगोल

B.A.
(कला)

B.Com.
(वाणिज्य)

B.C.A.
P.G.D.C.A.

महाविद्यालय की विशेषताएं –

- सी.सी.टी.वी. कैमेरा युक्त आधुनिक भवन
- सुसज्जित कम्प्यूटर लेब
- वृहद पुस्तकालय
- खेल मैदान
- Wi-Fi केम्पस
- अनुशासित वातावरण
- शत् प्रतिशत परीक्षा परिणाम
- सह शैक्षणिक गतिविधियां
- व्यक्तित्व विकास
- विश्वविद्यालय परीक्षा केन्द्र
- मासिक यूनिट टेस्ट
- राजस्थान सरकार द्वारा प्रदत्त योग्य विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति देय
- मेधावी विद्यार्थियों को राजस्थान सरकार द्वारा स्कूटी योजना का लाभ
- मेधावी विद्यार्थियों को हरीश आंजना एज्युकेशन सोसायटी द्वारा छात्रवृत्ति देय

Admissions OPEN

उदय निवास के पास, भंवरमाता रोड़
छोटीसादड़ी (राज.)

9460712329
9680244355

Email : harishcollege@yahoo.in
Website : www.harishanjanacollege.com